# राजस्थान बोर्ड

# कक्षा-12 | Kavya Khand

# अध्याय - २| पतंग - आलोक धन्वा

QUIZ-01



#### 1. 'पतंग' कविता के रचनाकार का क्या नाम है ?

- A. आलोक धन्या
- B. आलोक श्रीवास्तव
- C. आलोक मिश्रा

D. आलोक रस्तोगी

) D. T

व्याख्या : 'पतंग' कविता के रचनाकार का नाम आलोक धन्वा है, जो प्रसिद्ध हिन्दी कवि हैं।

#### 2. 'मृदंग' शब्द का क्या अर्थ है ?

- A. नगाडा
- B. बाजा
- C. सितार
- D. बॉसुरी

(B)

व्याख्या: 'मृदंग' शब्द का अर्थ कविता में बाजा के रूप में प्रयुक्त हुआ है, जो एक ताल वाद्य है।

### 3. प्रस्तुत कविता में 'पुलों' शब्द का क्या अर्थ है ?

- A. फूल
- B. पत्ती
- C. बौछारें
- D. अँधेरा

(C)

व्याख्या: 'पुलों को पार करते हुए' का अर्थ बौछारों से जुड़ा है, जहाँ ऋतु बौछारों को पार कर आगे बढ़ती है।

# 4. कौन-सी ऋतु पुलों को पार करते हुए आई है ?

- A. पावस ऋतु
- B. शरद ऋतु
- C. वसंत ऋतु
- D. ग्रीष्म ऋतु

(B)

व्याख्या: कविता में वर्णन है कि शरद ऋतु पुलों को पार करती हुई आती है।

# कविता में खरगोश की आँखों जैसा किसे कहा गया है ?

- A. पतले कागज को
- B. बौछार को
- C. पतंग को
- D. लाल सवेरे को

(D)

व्याख्या: कवि ने लाल सवेरे को खरगोश की आँखों जैसा बताया है – कोमल और लालिमा से युक्त।

#### 6. शरद ऋतु आते ही नन्हें बच्चे अपने हाथों में क्या लेकर दौड़ पड़ते हैं ?

- A. खिलौने
- B. मिठाई
- C. पतंगे

D. किताब

(C)

व्याख्या: कविता में कहा गया है कि जैसे ही शरद आती है, बच्चे पतंगें लेकर दौड़ पड़ते हैं।

#### 7. प्रस्तुत कविता में कौन साइकिल चलाते हुए आता है ?

- A. शरद
- B. बसंत
- C. ग्रीष्म

D. पावस

(A)

व्याख्या: कवि ने शरद ऋतु को साइकिल चलाते हुए आते हुए दर्शाया है।

#### 8. 'कपास' शब्द किसका प्रतीक है ?

- A. कोमलता का
- B. प्रकाश का
- C. अन्धकार का

D. शांति का

(Δ)

व्याख्या: कपास अपनी कोमलता के लिए जाना जाता है, कविता में भी इसका प्रयोग कोमलता के प्रतीक रूप में किया गया है।

### 9. कवि ने सवेरे के लिए किस विशेषण का प्रयोग किया है ?

- A. लाल
- B. नीला
- C. हरा

D. पीला

(A)

व्याख्या: कविता में कवि ने सवेरे को लाल सवेरा कहा है, जो ऊर्जा और नयापन दर्शाता है।

### 10. कवि आलोक धन्वा जी का जन्म कब हुआ था ?

- A. सन् १९४८ ईस्वी में
- B. सन् १९०५ ईस्वी में
- C. सन् 1906 ईस्वी में

D. सन 1907 ईस्वी में

(A)

व्याख्या: आलोक धन्वा जी का जन्म सन् १९४८ में हुआ था। वह समकालीन हिन्दी कविता के प्रमुख हस्ताक्षर हैं।